(ग) यदि हां, तो क्या ऐसे कर्मचारी हिन्दी का कार्य योग्यता से कर सकेंगे ?

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री शाम नाथ) : (क) से (ग). केन्द्रीय सूचना सेवा के दो उपयुक्त ग्रेड के अफसर आकाशवाणी के समाचार सेवा विभाग की "हिन्दी की स्क्रिप्ट यूनिट" में नियुक्त किए गए हैं । इन दोनों को हिन्दी पत्रकारिता का अनुभव है ।

Tour of the Chairman of the Coir Board

2166. Shri A. V. Raghavan: Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chairman of the Coir Board had undertaken a tour of foreign countries;

(b) whether any special benefit has accrued from this trip;

(c) if so, the details thereof; and

(d) the expenditure incurred on this trip?

The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah): (a) Yes, Sir. The Chairman headed a delegation consisting of four members in 1959.

(b) and (c). Various important recommendations were made by the Delegation for promoting exports of Coir and Coir products. Action is being taken to implement some of these recommendations.

(d) Rs. 65,885.90 nP.

मध्य प्रदेश और दूसरी पंचवर्षीय योजना

२१६७. **श्रीमती जमुना देवी** : क्या **योजना** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) द्वितीय पंचवर्षीय योजना के लिये निर्धारित धनराशि में से मध्य प्रदेश सरकार कितना धन व्यय करने में सफल रही है और कितना धन व्यपगत (लैप्स) हुआ ;

(ख) धन राशि "व्यपगत" होने के क्या कारण ; और

(ग) तीसरी योजना की अवधि में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिये क्या विशेष प्रबन्ध किया गया है ?

योजना तथा श्रम और रोजगार मन्त्री (श्री नन्दा) : (क) योजना में व्यय के लिये १६०.९ करोड़ रुपये रखे गये थे । जिसमें से प्रत्याशित खर्चा लगभग १४३ करोड़ रुपये (अस्थायी) हुआ है ।

(ख) व्यय में कमी मुख्यतया निम्नलिखित कारणों से हुई है :—

(१) राज्य का पुनर्गठन,

(२) राज्य के साधनों में कमी ; तथा

(३) इंजीनियरों की कमी ।

(ग) राज्य की तीसरी पंचवर्षीय योजना तैयार करते समय ऊपर दर्शायी गयी बातों को ध्यान में रखा गया है ।

12.03½ hrs.

RE. PROCEDURE

Shri U. M. Trivedi (Mandsaur): Mr. Speaker, Sir, I had asked your leave for raising . . .

Mr. Speaker: I have so many times requested hon. Members that when they have any grievance against me, they can come and settle it with me in the chamber. They should discuss the matter with me and then raise it in the House. I hope that convention, healthy as it is, would be developed here. We shall now take up the Adjournment Motion.